तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 25.0 डिग्री

हरिभूमि कोरबा भूमि

बिलासपुर, रविवार 8 मार्च 2026

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

पीएचई की बेला जलप्रदाय समूह योजना होगी लागू

भूमिगत जल के गिरते स्तर के बीच पहाड़ी नालों का पानी बना सहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ग्राम पंचायत बेला और उसके आसपास के पारे टोले और आश्रित ग्रामों में पानी के लगातार नीचे जाने से भविष्य में होने वाले जलसंकट को देखते हुए पीएचई के द्वारा तैयार की गई जलप्रदाय समूह योजना से अब काम की स्वीकृति मिली है। इसके शुरु होने से आश्रित ग्राम सहित पारे टोलों को भी पानी मिल सकेगा। लगभग 10 ग्रामों के लिए तैयार की गई थी योजना। इसके लिए पहाड़ी नालों के पानी का ही उपयोग किया जाएगा।

खास बात

- आसपास के 10 ग्रामों के लिए बनाई गई थी कार्ययोजना

जलजीवन मिशन और अन्य प्रकार की पेयजल योजनाओं के जिन गांवों में सफल नहीं होने के मामले सामने आ रहे हैं उन गांवों के लिए अब पहाड़ी नालों के पानी का सहारा लिया जा रहा है। विकासखंड कोरबा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बेला पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां भूमिगत जलस्रोत नहीं होने की वजह से इन क्षेत्रों में जल जीवन मिशन सहित नल जल योजना सफल नहीं हो पा रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा ग्राम पंचायत बेला को अपने पेयजल परियोजना में शामिल कर समूह जलप्रदाय योजना लागू करने के लिए गांव की आबादी पहाड़ी नालों से गांव की दूरी और भविष्य में बढ़ती आबादी को लेकर कुछ बिंदुओं में सर्वे किया था उसके बाद बेला जलप्रदाय समूह योजना तैयार की गई। योजना का डीपीआर तैयार कर उसे विभाग के द्वारा स्वीकृति के लिए शासन को भेजा गया था। कुल 32 करोड़ की लागत वाली इस योजना को अमलीजामा पहनाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए राज्य शासन से मिलने वाली राशि की भी स्वीकृति मिली है।

नाले में बनाया गया एनीकट।

कांकरझूंझा जलाशय से ग्रामीणों ने लाया था पानी

गांव की प्यास बुझाने के लिए बेला के ग्रामीणों ने पहाड़ से गिरने वाले कांकरझूंझा झरने के पानी को पंचायत के श्रमदान से छोटा सा बांध बनाकर उक्त पानी को नाली के द्वारा गांव के घर घर तक लाया गया था। इस पानी का उपयोग ग्रामीण निस्तारी के लिए करते थे। आज भी वह बांध कांकरझूंझा झरने में बना हुआ है और वहां से निकली हुई नाली इस बात की गवाही देती है कि गांव की प्यास बुझाने के लिए पहाड़ी नाले के पानी को गांव तक लाया गया था।

नई योजना से ये काम होंगे

पीएचई की जलप्रदाय समूह योजना के तहत पहाड़ी नाले के समीप इंटकवेल का निर्माण होगा जिसमें पहाड़ी नाले के पानी को स्टोर कर जल सोधन संयंत्र से पानी का शुद्धिकरण कर पाइप लाइन के द्वारा घर घर सप्लाई किया जाएगा। इंटकवेल के निर्माण और पाइप लाइन बिछाने का काम अलग अलग चरणों में होंगे। दोनों ही कार्यों को अलग अलग फर्मों के द्वारा किया जाएगा।

खबर संक्षेप

एमपी नगर में खेली गई होली

कोरबा। महाराणा प्रताप नगर की महिलाओं ने होली पर्व में सर्वप्रथम भगवान की पूजा अर्चना कर गुलाल लगाकर होली की शुरुआत किया एवं सभी बच्चों बहनों और महिलाओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दिया एवं अपने कॉलोनी वाले महिलाओं ने अपने कॉलोनीवासियों को सभी से भाई चारा बनाए रखने एवं परेशानियों मे एक दूसरे की साथ देने की बात की। इस तरह होली पर्व को सभी कॉलोनीवासियों ने शांतिपूर्वक होली मनाई गई। इस दौरान दुर्गेश सिंह, ललिता साहु, भूमि महंत, सुषमा सिंह, शशि गढ़वाल, सोमा सिंह, पूनम सिंह, उत्तरी साहु, अनिता चौधरी सहित लोगों ने होली खेलकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी।

उत्साह के साथ मनाई होली

कोरबा। हरदीबाजार में सरपंच लोकेश्वर कंवर एवं बुजुर्गों द्वारा होलिका का पूजा अर्चना कर होलिका दहन किया गया। लोगों ने अपने घरों से लड़कियां, गोबर के कंडे, सुखा नारियल, चावल लेकर होलिका में चढ़ाया। सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर आपसी भाईचारे, सौहार्द के साथ रंग गुलाल लगाते हुए शांतिपूर्वक होली खेली। पुरानी बस्ती में मादर, नगाड़े की धुन पर फाग गीत गाकर लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया गया। बस स्टैंड, कालेज चौक, अंबेडकर चौक में भी लोगों ने बाजे गाजे के साथ होली खेली गई। पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर के निवस में लोगों ने पहुंचकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाते हुए होली खेली। इस अवसर पर श्यामू जायसवाल, मदन राठौर, बोधराम कंवर, दयाराम कंवर, पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर, रामशरण कंवर, रमेश अहीर, चुलेश्वर राठौर, जगदीश अग्रवाल, चंद्रहास राठौर, राजाराम राठौर, निलेंद्र राठौर, विनोद उपाध्याय उपस्थित रहे।

कोयलांचल में मना होली पर्व

कोरबा। भाईचारे एकता के प्रतीक होली त्यौहार नगर पालिका परिषद दीपिका के पार्षद अरुणीश तिवारी के नेतृत्व में होली पर्व मनाया गया। सभी लोगों ने भाईचारे और सद्भावना को कायम रखते हुए उल्लास और हर्ष के साथ होली पर्व को मनाया जिसमें क्षेत्र के महिलाएं व बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर अवधेश शुक्ला, राजकुमार त्रिपाठी, हेमचंद्र सोनी, रजनीश तिवारी, अंकित मिश्रा, राजू तिवारी उपस्थित रहे।

बच्चों शिव मंदिर में खेली होली

हरदीबाजार। शांतिनगर हरदीबाजार में बच्चों ने शिव मंदिर में शिवालय में रंग लगाकर होली खेली। फिर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया। उसके बाद बच्चों ने धमाल चौकड़ी की, रंग से भरे गुब्बारे व रंग से पिचकारी से लोगों पर रंग डालना शुरू किये। इस दौरान मंदिर संयोजक राजाराम राठौर, संतोष राठौर, जगदम्बे राठौर, रश्मि राठौर, कृष्णा कंवर, प्रभा कंवर, आदित्य राठौर, यशू, शिवम्, प्रिंस, कान्हा, बेबी, ददू एवं लक्की उपस्थित रहे।

दुर्ग में लगेगा विद्युत कर्मियों का कुंभ

कोरबा। छग राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के आह्वान पर 8 मार्च को दुर्ग में होने वाले 20वें प्रांतीय अधिवेशन को लेकर पूरे प्रदेश के विद्युत कर्मियों में जबरदस्त उत्साह है। इस ऐतिहासिक अधिवेशन को लेकर कोरबा जिले से भी सैकड़ों विद्युत कर्मी प्रांतीय अध्यक्ष अनिल द्विवेदी के नेतृत्व में दुर्ग के लिए रवाना होंगे।कोरबा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी यादव ने बताया कि यह अधिवेशन किसी आंदोलन से कम नहीं बल्कि विद्युत कर्मियों का कुंभ बनने जा रहा है, जहां प्रदेश भर से हजारों कर्मचारी एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई को और तेज करने का संकल्प लेंगे। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित कर्मचारियों की जायज़ मांगों को लेकर अब निर्णायक संघर्ष का समय आ गया है। अधिवेशन में समान कार्य समान वेतन, संविदा कर्मियों का नियमितीकरण, ऑन ड्यूटी दुर्घटना में 1 करोड़ रुपये मुआवजा, वेतन पुनरीक्षण समिति का गठन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

बिहान से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं, बन रही आत्मनिर्भर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

सालाना कमाई पहुंची लगभग 8 लाख रुपए

राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित बिहान कार्यक्रम प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं को स्व सहायता समूहों के माध्यम से संगठित कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि आज ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी बना रही हैं। जिले में भी बिहान से अनेक महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं।

इसी कड़ी में विकासखंड करतला के ग्राम सरगबुंदिया की निवासी श्रीमती सावित्री उरांव आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। एक समय ऐसा था जब सीमित आय, आर्थिक असुरक्षा और स्थायी आजीविका के अभाव के कारण उनका जीवन संघर्षों से घिरा हुआ था। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संसाधनों की कमी के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा था। ऐसे समय में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने उनके भीतर आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की नई आशा जगाई। जिला प्रशासन एवं एनआरएलएम के सहयोग से उनके स्व सहायता समूह को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया, जिसके अंतर्गत समूह को रिवॉल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि तथा बैंक ऋण की सुविधा प्राप्त हुई। इस वित्तीय सहयोग और प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए उन्होंने अपने व्यवसाय का विस्तार किया। वर्तमान में वे कपड़ों के व्यापार सहित का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। उनके निरंतर परिश्रम, सही मार्गदर्शन और समय पर मिली वित्तीय सहायता का परिणाम है कि आज उनकी वार्षिक आय लगभग 8 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के साथ-साथ सामाजिक सम्मान में भी वृद्धि हुई है। आज वो न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं, बल्कि सामाजिक रूप से भी एक मजबूत नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरी हैं। वे अपने गांव की अन्य महिलाओं को स्व सहायता समूहों से जुड़ने, बचत की आदत अपनाने और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

एसईसीएल मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की असली कुंजी : मिताली

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विप्स (वीमेन इन पब्लिक सेक्टर) के तत्वावधान में एसईसीएल ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित तथा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान और प्रसिद्ध क्रिकेटर सुश्री मिताली राज मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं।

खास बात

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने साझा किए सफलता के मूलमंत्र

कार्यक्रम के दौरान महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज।

इस अवसर पर आयोजित फायरसाइड चैट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने अपने अनुभव साझा किए। इस संवाद का संचालन एसईसीएल के निदेशक बिरंची दास ने किया। अपने प्रेरक विचार रखते हुए मिताली राज ने कहा कि आज महिला क्रिकेट ने लंबा सफर तय किया है और अब यह पुरुष क्रिकेट के समान पहचान और सम्मान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग थीं और महिलाओं के लिए अपने लिए जगह बनाना आसान नहीं था। मिताली राज ने युवाओं, विशेषकर महिलाओं को संदेश देते हुए कहा कि वे अपने सपनों को पाने के लिए हमेशा तैयार रहें, पूरी निष्ठा से अभ्यास करें, अपने भीतर जज्बा और संघर्ष की भावना बनाए रखें तथा किसी भी परिस्थिति में हार न मानें। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हैं और हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं, तो सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी। एसईसीएल सीएमडी श्री दुहन ने कहा कि आज महिलाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खुल रहे हैं और अब समय है कि महिलाएँ आगे आकर नेतृत्व की भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि एसईसीएल में नारीशक्ति का योगदान निरंतर बढ़ रहा है और संगठन महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई पहल कर रहा है। कार्यक्रम में श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन, एसईसीएल के निदेशक एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक बिरंची दास, निदेशक डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन श्रद्धा महिला मंडल की सम्मानित उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार, श्रीमती विनीता जैन तथा श्रीमती शुभश्री महापात्र उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर एनकेएच में दिया गया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर न्यू कोरबा हॉस्पिटल ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित एक विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया। 7 मार्च को आयोजित इस शिविर में शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। अस्पताल परिसर में आयोजित इस शिविर में महिला मरीजों को निःशुल्क ओपीडी परामर्श प्रदान किया गया। इसके साथ ही महिलाओं की विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य जांचों पर 50 प्रतिशत तक की विशेष छूट दी गई, जिससे बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी जांच कराई और स्वास्थ्य संबंधी सलाह प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान स्त्री रोग, पोषण, हार्मोनल समस्याएं और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बारे में भी महिलाओं को विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि वे समय रहते अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग हो सकें। इस अवसर पर अस्पताल में डायलिसिस करा रही महिलाओं के साथ महिला दिवस का भावनात्मक और प्रेरणादायी आयोजन भी किया गया। बताया गया कि कई महिलाएं पिछले 4 से 5 वर्षों से नियमित डायलिसिस करा रही हैं, लेकिन इसके बावजूद वे अपने परिवार की जिम्मेदारियों को पूरी मजबूती और हिम्मत के साथ निभा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि ऐसी महिलाएं समाज के लिए हौसले और संघर्ष की जीवंत मिसाल हैं, जिनकी सकारात्मक सोच और जुझारूपन हर किसी को प्रेरित करता है। न्यू कोरबा हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें और समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाया जा सके।

महिला दिवस पर भादा में प्रेरक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रासेयो के सदस्य।

कमला नेहरू महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गोदग्राम भादा में दिवा शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर के मार्गदर्शन तथा रासेयो जिला संगठक वाय के तिवारी के नेतृत्व में हर्षवर्धन कंवर, देवांश कुमार तिवारी, सरिता चौहान आदि स्वयंसेवकों ने प्राथमिक विद्यालय तथा अन्य दीवारों पर नारी सम्मान तथा अस्मिता को बढ़ाने वाले प्रेरक नारों का लेखन किया। ग्राम की महिला स्व सहायता समिति व कीर्तन मंडली की सदस्यों, मितानिनों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद कर सामाजिक ढांचे तथा सामाजिक समरसता के निर्माण में महिलाओं के अतुलनीय योगदान के लिए उनका स्वागत किया गया तथा उनके प्रयासों को स्तुत्य मानते हुए उन्हें बधाइयां दी गई।

वर्ष 2026 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम दान करें और लाभ प्राप्त करें के आशय को समझाते हुए साहित्य, खेलकूद, शिक्षा व संस्कृति, कलाओं का सृजन व नवाचार आदि विभिन्न क्षेत्रों में नारी शक्ति की उपलब्धियां और प्रतिष्ठापूर्ण कार्यों की चर्चा करते हुए उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य किया गया तथा सफल महिलाओं की कठिन साधना तथा प्रयासों से परिचित करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम के पंच सत्यनारायण यादव, मितानिन निशा यादव स्व सहायता समिति की क्लस्टर हेड श्रीमती कुमुदिनी यादव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कंचन बाई यादव, आंचल यादव रितिक यादव आदि उपस्थित थे। दिवा शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने भादा में निर्मित अमृत वाटिका की सुरक्षा के लिए श्रमदान करते हुए रोपित फलदार पौधों की जल सेवा की। कार्यक्रम के आयोजन में रासेयो कार्यक्रम अधिकारी जी एम उपाध्याय, सुश्री प्रीति महंत वरिष्ठ स्वयंसेवक आरती यादव, अनुसुइया महंत, किशन यादव, जितेश यादव, देवेश यादव, भगवती चरण सारथी आदि का सक्रिय योगदान रहा।

बालको की उन्नति परियोजना ने बदली ज़िंदगी गंगोत्री से मशरूम दीदी बनने का सफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

वेदांता समूह की कंपनी बालको अपनी सामुदायिक विकास परियोजना उन्नति के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इन्हीं में से एक प्रेरक कहानी लालघाट क्षेत्र की निवासी गंगोत्री विश्वकर्मा की है, जिन्होंने रोज़ की मजदूरी से निकलकर मशरूम उत्पादन के ज़रिये आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनाई।

बालको के सामुदायिक विकास सहयोग और प्रशिक्षण से आज मशरूम दीदी न सिर्फ अपने परिवार को संबल दे रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी आत्मनिर्भरता की राह खोल रही हैं। गंगोत्री ने बताया कि कुछ साल पहले तक उनकी ज़िंदगी रोज़ की मजदूरी के सहारे चलती थी। सुबह काम मिले तो चूल्हा जले, नहीं मिले तो बच्चों के चेहरे देखकर मन भीतर ही भीतर टूट जाता था। भविष्य की चिंता हर रात नींद छीन लेती थी लेकिन वर्ष 2019 उनकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ बनकर आया। इसी साल उन्नति परियोजना के माध्यम से जय मां हर्षिता स्व सहायता समूह से जुड़कर, मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण लिया। उस दिन मैंने महसूस किया कि शायद मेरी मेहनत भी किसी दिन अपनी पहचान बना सकती है। बालको के सहयोग से मिले प्रशिक्षण के बाद मैंने उसी वर्ष मशरूम की खेती शुरू की। शुरुआत में 16 बैग लगाए थे। मन में बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन जब फसल आई तो सिर्फ 2 बैग में ही मशरूम उगे। वही दो बैग मेरे लिए हार नहीं, बल्कि नई शुरुआत की उम्मीद बन गए। मैंने अपनी गलतियों को समझा, तकनीक पर ध्यान दिया और हिम्मत जुटाकर दोबारा कोशिश की। धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ता गया और आज मसरूम इकाई में लगभग 200 बैग तक मशरूम उत्पादन हो रहा है। इसकी खेती में 20 से 25 दिनों के भीतर पैदावार की शुरुवात होती है, सप्ताह के अंतराल पर तीन बार फसल मिलती है। लगातार उत्पादन बना रहे, इसलिए मैं रोज़ाना लगभग दो नए बैग तैयार करती हूँ। अब मुझे इंतज़ार नहीं करना पड़ता, हर दिन मेरे सपनों की फसल तैयार होती है। मशरूम उत्पादन की विधि में पैरा-कुट्टी को भिगोकर उतना ही सुखाया जाता है जिससे हल्की नमी बरकरार रहे। पोषण के लिए बायो-स्टिमुलेंट पाउडर और रोग से बचाव के लिए फॉर्मूलिन पाउडर मिलाया जाता है। इसी वैज्ञानिक तरीके से तैयार किए गए बैग में अच्छी और सुरक्षित पैदावार होती है।

ग्राम नकिया में कलेक्टर की लगी चौपाल, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बातें

- चिर्रा-श्यांग मार्ग को जून तक पूर्ण करने के निर्देश
- लेमरू पीएचसी को मिलेगा लैब टेक्निशियन

चौपाल के दौरान उपस्थित कलेक्टर व ग्रामीण।

जिले के अंतिम छोर पर बसे ग्राम नकिया में कलेक्टर पीवीटीजी ग्रामीणों के बीच पहुँचे। ग्रामीणों की उत्सुक निगाहें कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों पर टिकी थीं। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों के बीच पहुँचकर सहजता से कहा, मैं कलेक्टर हूँ, आप मुझे पहचानते हैं न, मैं आपकी समस्याएँ सुनने आया हूँ। राशन मिल रहा है न? महतारी वंदन योजना की राशि खाते में आ रही है न? आप लोग बताइए, आपके गाँव में क्या चाहिए?

आम के पेड़ के नीचे खाट पर बैठकर कलेक्टर श्री दुदावत ने ग्राम लेमरू, नकिया और श्यांग क्षेत्र का दौरा कर शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। ग्राम नकिया में उन्होंने पीवीटीजी परिवारों और ग्रामीणों के बीच दोपहर में चौपाल लगाकर उनकी समस्याएँ सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित ग्रामीणों को कलेक्टर ने बताया कि सभी का सर्वे किया जा चुका है। जो ग्रामीण सर्वे से छूट गए हैं, वे आवेदन दे सकते हैं। कलेक्टर ने ग्रामीणों को यह भी बताया कि विगत माह फरवरी में कुछ स्थानों पर चावल वितरण नहीं हो पाया था, इसलिए मार्च में राशन दुकानों से फरवरी माह का चावल भी उपलब्ध कराया जाएगा। नकिया में विद्युतीकरण के लिए कलेक्टर ने विद्युत विभाग को परीक्षण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव को सुनिश्चित करने, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करने तथा अस्पताल में प्रसव की सुविधा सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ग्राम श्यांग को जोड़ने वाले चिर्रा-श्यांग सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

दम तोड़ रही डायल 112 वाहन की सुविधा, 21 में से 10 वाहन हुए कंडम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पूर्व में राज्य सरकार द्वारा एक नंबर सब्बो बर के तहत डायल 112 वाहन की सुविधा शुरु की गई थी। जिले में अब यह सुविधा दम तोड़ती नजर आ रही है। जिले को राज्य सरकार से 23 वाहन उपलब्ध कराया गया था। जिसमें से एक वाहन को रायगढ भेज दिया गया था। वर्तमान में 21 वाहन है जिसमें से 10 वाहन खराब हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि एबीपी कंपनी छग सरकार से सभी वाहन को हायर किया था इसके बाद जीवीके कंपनी द्वारा अभी वर्तमान में देखरेख कर रहा है संजीवनी 108 भी बंद हो चुका है और एंबुलेंस सभी वाहन बंद हो चुके हैं मेंटेनेंस के अभाव में वाहन कंडम होते जा रहा है। वर्ष 2018 में 112 वाहन चालू हुआ था उस समय कोरबा के पांचों ब्लॉक के सड़कों में डायल 112 दौड़ा करती थी। वर्तमान में कुछ चुनिंदा सड़कों में ही नजर आता है। बताया जाता है कि वाहनों की हालत ठीक नहीं है किसी का टायर ठीक नहीं है कोई धुआं अधिक फेंक रहा है किसी की लाइट और सायरन ठीक नहीं है। सबसे अधिक घटना दुर्घटना साथ ही डिलीवरी के समय अधिक इस्तेमाल किया गया था। समय रहते अस्पताल पहुंचते थे और जच्चा बच्चा दोनों सुरक्षित रहते थे। कब इन जर्जर डायल 112 वाहनों का मेंटेनेंस करा कर सड़कों में दौड़ेगी जिससे क्षेत्र की जनता को लाभ मिल सकेगा।

खबर संक्षेप

महिला कांग्रेस ने रैली निकाल कर केंद्रीय मंत्री से मांगा इस्तीफा

कोरबा। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अलका लांबा के निर्देशानुसार सुश्री गुंजन सिंह राष्ट्रीय महासचिव व छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस प्रभारी एवं श्रीमती फूलो देवी नेताम प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस के मार्गदर्शन पर सीरियल रेपिस्ट एप स्टीन फाइल्स में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पूरी का नाम खुलासा होने पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर जिला महिला कांग्रेस कोरबा ग्रामीण एवं शहर द्वारा कोरबा के घंटाघर चौक के पास काला दिवस, रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया जिसमें श्रीमती प्रभा सिंह तंवर जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस कोरबा ग्रामीण एवं श्रीमती कुसुम द्विवेदी जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस कोरबा, जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी कोरबा शहर मनोज राठौर, ब्लॉक अध्यक्ष संतोषी पाटले, जिला महामंत्री भुनेश्वरी महंत, जिला सचिव जमुना राठौर, समुंद बाई, राज कुंवर पटेल, गैस बाई, अंजली इप्पन, कुसुम भगत, सजिता बेगम आंगन बाई,गीता महंत त्रिवेणी,सीमा उपाध्याय, त्रिवेणी,शकुन बाई,माधुरी ध्रुव,सुभद्रा सिंह,रवि सिंह,पालूराम व अधिक संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाते में पहुंच रही राशि, महिलाओं को मिल रहा आत्मविश्वास

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम कारीमाटी में रहने वाली प्रमिला बाई और उनकी सास मंगली बाई ने बताया कि अन्य गाँव से उनके गाँव की दूरी अधिक होने की वजह से वे कही जा नहीं पाते। गाँव में जो थोड़ा बहुत खेत है उसमें ही खेती किसानी में सहयोग कर लेती हैं। उन्होंने बताया कि गाँव में हाजिरी मजदूरी मिलना मुश्किल है। अन्य गाँव की दूरी इतनी अधिक हैं कि वे चाहकर भी जा नहीं सकते। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना प्रारंभ होने के दौरान उन्होंने भी आवेदन जमा किया था। योजना से जुड़ने के पश्चात हर महीने उनके बैंक खाते में एक हजार की राशि आती है। इस राशि से घर में किराना सहित अन्य जरूरतों की पूर्ति आसानी से हो पाती है। मंगली बाई ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा महतारी वंदन योजना लागू किए जाने पर हम जैसी पहाड़ और वनांचल क्षेत्र में रहने वाली जरूरतमंद महिलाओं को खुशहाल जीवन का एक आधार मिल गया।

दो चरणों में होगा बोर्ड कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य, पहला चरण 16 मार्च से

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य दो चरणों में होगा। जिसके लिए दो मूल्यांकन केंद्र बनाए जाएंगे। पहला चरण 16 मार्च से होगा। उसके पूर्व बोर्ड के द्वारा उत्तरपुस्तिकाओं की आपूर्ति पहले चरण के लिए कर दी जाएगी। दोनों मूल्यांकन केंद्रों में विषय विशेषज्ञ व्याख्याताओं की ड्यूटी अनिवार्य सेवा घोषित कर दी गई है। कोई भी व्याख्याता मूल्यांकन कार्य से इंकार नहीं कर सकेगा।

बोर्ड कॉपियों के मूल्यांकन के लिए तैयारियां शुरु हो गई हैं। साडा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं एनसीडीसी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। वहां के प्राचार्यों को मूल्यांकन केंद्र का प्रभारी बनाया गया है। मूल्यांकन के लिए सभी शिक्षकों की ड्यूटी के लिए स्कूल प्रबंधनों को पत्र भेज दिया गया है। मूल्यांकन कार्य अनिवार्य सेवा घोषित होने के साथ ही अब कोई भी व्याख्याता मूल्यांकन कार्य से इंकार नहीं कर सकेगा। वहीं दूसरी ओर जिस स्कूल के व्याख्याता की ड्यूटी मूल्यांकन केंद्र में लगाई जाएगी। उस स्कूल के प्राचार्य को हर हाल में मूल्यांकन ड्यूटी के लिए नामित किए गए व्याख्याता को स्कूल से कार्यमुक्त करना होगा। अब किसी भी तरह की हिल हवाला और मनमानी नहीं चल पाएगी। मूल्यांकन का दूसरा चरण 26 मार्च से शुरु होगा। संभवतः 15 अप्रैल तक सभी तरह की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य पूर्ण होने के बाद माह के अंत तक परीक्षा परिणाम भी घोषित किए जा सकते हैं।

बनाए जाएंगे दो मूल्यांकन केन्द्र

खास बातें

- केन्द्रों में लगेगी व्याख्याताओं की ड्यूटी
- प्राचार्यों को मूल्यांकन केंद्र का प्रभारी बनाया गया

साथ साथ चल रही हैं परीक्षाएं

बोर्ड परीक्षाओं के साथ घरेलू परीक्षाएं भी शुरु हो जाएंगी ताकि घरेलू परीक्षाओं का परिणाम भी 30 अप्रेल तक घोषित किया जा सके। 25 मार्च से 9वीं, 11वीं की परीक्षाएं शुरु हो जाएंगी। जिसके लिए समय सारिणी भी जारी कर दी गई है। इन घरेलू कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य उनके स्कूल में ही होगा। प्रश्न पत्र का वितरण शिक्षा विभाग के द्वारा किए जाने की तैयारी चल रही है।

कटघोरा को जिला बनाने की मांग तेज

धरने पर बैठे अधिवक्ताओं को मिला पाली-तानाखार विधायक का समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

कटघोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर अधिवक्ता संघ द्वारा किया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना लगातार जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर मरकाम धरना स्थल पहुंचे और अधिवक्ताओं के आंदोलन को अपना समर्थन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कटघोरा को जिला का दर्जा देने के लिए सरकार को गंभीरता से पहल करनी चाहिए।

विधायक तुलेश्वर मरकाम ने कहा कि कोरबा जिले की सबसे पुरानी तहसील कटघोरा है लेकिन इसके बावजूद इसे अब तक जिला का दर्जा नहीं मिल पाया है। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने कटघोरा के बाद बनी कई तहसीलों को जिला बना दिया, ऐसे में कटघोरा के साथ इस प्रकार का भेदभाव समझ से परे है। उन्होंने कहा कि कटघोरा विधानसभा क्षेत्र खनिज संपदा से समृद्ध है और यहां डीएमएफ (जिला खनिज न्यास) की राशि भी सबसे अधिक है। यदि कटघोरा को जिला का दर्जा मिलता है तो क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पाली-तानाखार विधानसभा का क्षेत्रफल काफी बड़ा है और यहां आदिवासी समुदाय की आबादी भी अधिक है। ऐसे में यदि कटघोरा जिला बनता है तो पाली और तानाखार क्षेत्र के लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे पूरे क्षेत्र के विकास में तेजी आएगी। विधायक मरकाम ने अधिवक्ता संघ के आंदोलन को जायज बताते हुए कहा कि इस लड़ाई में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी पूरी तरह अधिवक्ताओं के साथ खड़ी है और कटघोरा को जिला बनाने की मांग का समर्थन करती है। इस दौरान अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश पाल, नवीन सिंह, विधायक प्रतिनिधि कुलदीप मरकाम सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण धरना स्थल पर मौजूद रहे और कटघोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर अपनी एकजुटता जताई।

धरना प्रदर्शन में शामिल विधायक एवं अधिवक्तागण।

*__कोरबा।__ नगर पालिका परिषद दीपका के वरिष्ठ पार्षद अरुणीश तिवारी के मार्गदर्शन में प्रगतिनगर दीपका क्षेत्र की माता बहनों एवं बच्चों ने भाईचारे और सद्भावना को कायम रखते हुए हर्षोल्लास के साथ होली पर्व को मनाया। जिसमें क्षेत्र के तमाम माताएं बहने एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर अवधेश शुक्ला, राजकुमार त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

प्रो.नं. 82/26 प्रकरण क्रमांक 28/25
पेशी तारीख -27.02.2026

आम ईश्तहार/नोटिस

न्यायालय डॉली ध्रुव द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

आशा देवी ....आवेदक/वादी

बनाम

ब्रांच मैनेजर बैंक ऑफ इंडिया वगै. अनावेदक/प्रतिवादी

उपरोक्त आवदेक/वादी आशा देवी ने अनावेदक/प्रतिवादी ब्रांच मैनेजर बैंक ऑफ इंडिया वगै. के विरूद्ध भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 372 के तहत न्यायालय द्वितीय व्यवहार वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, जि. कोरबा (छ.ग.) आवेदन प्रस्तुत किया गया है और उक्त आवेदन पत्र की सुनवाई हेतु दिनांक 24.03.2026 तिथि नियत है। अतः अनावेदक/प्रतिवादी आम जनता (जिसका इससे कोई संबंध हो) को उक्त प्रकरण के संबंध में कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 24-03-2026 को दिन 11:00 बजे उपस्थित होकर अपना जवाबदावा इस न्यायालय में पेश करें, अन्यथा प्रकरण की सुनवाई आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए की जाएगी। नोट-अगर उक्त पेशी दिनांक को न्यायालय का अवकाश हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी दिवस में की जावेगी। आज दिनांक 27.02.2026 को न्यायालय के मोहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(डॉली ध्रुव)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय एस. शर्मा प्रधान जिला न्यायाधीश कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

आम ईश्तहार

प्रोसेस क्रमांक 191/26
Civil Suit No. 02A/2026
पेशी दिनांक 28/03/2026

मीनू केशरवानी वगैरह आवेदकगण
बनाम
नगर पालिक निगम कोरबा वगैरह अनावेदकगण

उपरोक्त आवेदिका के द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा वगैरह के विरुद्ध न्यायालयः प्रधान जिला न्यायाधीश कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.) में प्रस्तुत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 08 हिन्दू अप्राप्तवयता एवं संरक्षता अधिनियम, 1956 वास्ते नैसर्गिक संरक्षक की शक्तियां दिये जाने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसका प्रकरण क्रमांक सिविल सूट क्रमांक 02A/2026 है। उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनाक 28-03-2026 की तिथि नियत है।

अतः उक्त प्रकरण में आवेदिका के द्वारा आम जनता को पक्षकार बनाया गया है इसलिए अनावेदक क्र. 02- आम जनता (जिसका इस वाद से संबंध हो) को उक्त प्रकरण के संबंध में कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 28-03-2026 को दिन के 11.00 बजे उपस्थित होकर अपना जवाबदावा इस न्यायालय में पेश करें। अन्यथा प्रकरण की सुनवाई आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए की जाएगी।

नोटः अगर उक्त पेशी दिनांक 28-03-2026 को न्यायालय का अवकाश हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी दिवस में की जावेगी।

आज दिनांक 06-03-2026 को न्यायालय के मोहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

एस. शर्मा
प्रधान जिला न्यायाधीश
कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

पेंटिंग रंगोली प्रतियोगिता से दिया गया नशामुक्ति का संदेश

कोरबा। जिले में नशामुक्ति के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शिक्षा विभाग के द्वारा सभी विकासखंड के स्कूलों मे चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के छात्र छात्राओं ने भाग लेकर नशामुक्ति का संदेश दिया। जिले के सभी विकासखण्ड स्तरीय नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में करतला विकासखण्ड के सरगबुंदिया में विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
◆ हड्डी एवं जोड़ों का दर्द ◆ नसों का रोग
◆ त्वचा एवं बालों का रोग ◆ स्त्री रोग ◆ मानसिक रोग
◆ मूत्र संबंधी रोग ◆ मधुमेह (डायबिटीज़) ◆ नेत्र रोग
◆ किडनी संबंधी रोग ◆ पेट संबंधी विकार ◆ थायराइड
◆ अस्थमा ◆ मोटापा ◆ मांसपेशी का रोग
◆ मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष....

" नारी शक्ति "

नारी केवल कोमलता नहीं,नारी साहस की पहचान हैं।
ज्ञान, संस्कार और शिक्षा से, नारी ही देश की शान है।

जिसने घर-घर दीप जलाए, अज्ञान का अंधकार मिटाया।
संघर्षों की राह चलकर भी, हर सपने को सच बनाया।

माँ बनकर ममता बरसाती, शिक्षक बनकर राह दिखाती।
नारी जब आगे बढ़ती है, तो पूरी दुनिया मुस्काती ।
आओ मिलकर प्रण ये लें, नारी का सम्मान करेंगे।
शिक्षा, समानता और अधिकार से, नया भारत निर्माण करेंगे।

नारी शक्ति का सम्मान करो, नए भारत का निर्माण करो।

समस्त मातृ शक्ति को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाए...
ए.डी.जोशी
अध्यक्ष
ब्लॉक कांग्रेस कामेटी बालको
जिला - कोरबा, छत्तीसगढ़

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026, 8 मार्च (रविवार) को मनाया जा रहा है। यह दिन महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने और लैंगिक समानता की वकालत करने का एक वैश्विक मंच है। 2026 की थीम "अधिकार, न्याय और सशक्तिकरण के लिए वास्तविक कार्रवाई" (Rights, Justice,Action for Women's Empowerment) पर केंद्रित है।

महिला दिवस 2026 के मुख्य विवरण

तिथि: 08 मार्च 2026 (रविवार)

थीम: सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और कार्रवाई।

उद्देश्य: महिलाओं के अधिकारों के आंदोलन को बढ़ावा देना, लैंगिक समानता, और महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कम करना।

महत्व: यह दिन महिलाओं की ताकत, संघर्ष और समाज में उनके अमूल्य योगदान को सलाम करता है।

कभी बहु कभी माँ बनकर सबके सुख-दुःख सहकर अपने सब फर्ज निभाती है तभी तो नारी कहलाती है।

श्रीमती सीमा त्यागी
अध्यक्षा
श्रेया महिला समिति, एस ई सी एल गेवरा

KRISHNA IVF
FERTILITY & IVF CENTRE
कृष्णा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
नि:संतान दंपत्तियों के लिए
उम्मीद की नई किरण
प्रक्रिया शुल्क मात्र
70,000/-
उपलब्ध सुविधाएं :-
फर्टिलिटी जाँच, IUI, IVF, ICSI, PICSI, ब्लास्टोसिस्ट, हिस्ट्रोस्कोपी, लेप्रोस्कोपी, डोनर सर्विसेज।
9752435827
कृष्णा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
मंगलम् विहार, कोसाबाड़ी कोरबा (छ.ग.)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं...
nuclean
DRYCLEAN & LAUNDRY
8 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
Happy Women's Day
श्रीमती शिखा सिन्हा
संचालिका-न्यू क्लीन ड्राई क्लीन

क्राइम की खबरें

रेंकी बस्तीपारा में आज से श्री अखंड नवधा रामायण आरंभ

हरदीबाजार। ग्राम पंचायत रेंकी बस्तीपारा में श्री अखंड नवधा रामायण रविवार 8 मार्च कलश शोभा यात्रा से आरंभ होकर 17 मार्च को कथा विश्राम होगा। 18 मार्च को हवन, सहस्त्र धारा, ब्राहाम्ण भोजन, चढ्त्तोरी प्रसाद वितरण किया जाएगा। कथा श्रवण सभी धार्मिक अनुष्ठान आचार्य पंडित आशीष मिश्रा रेंकी, पंडित भास्कर पांडेय सिवनी वाले करेंगे। समिति अध्यक्ष जनाराम पटेल, उपाध्यक्ष गनपत केंवट,सचिव सुभाष पटेल, कोषाध्यक्ष गनेश राम यादव,सहसचिव विनोद पटेल ने बताया कि समस्त ग्रामवासी रेंकी बस्तीपारा के सहयोग से यह आयोजन गांव के सुख-शांति समृद्धि के लिए किया जा रहा है, जिसमें गांव, क्षेत्र के सभी मानस प्रेमी व मानस मंडली से आग्रह है कि इस आयोजन में आकर पुन्य के भागी बने।

नेवसा में श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ आरंभ

हरदीबाजार। ग्राम नेवसा में श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा 6 मार्च को कलश शोभा यात्रा से आरंभ होकर 13 मार्च को कथा विश्राम व 14 मार्च को तुलसी वर्षा,पूर्णाहुति, सहस्त्र धारा, प्रसाद एवं भंडारा के साथ समापन होगा । कथा प्रतिदिन दोपहर 2.30 बजे से हरि इच्छा तक होगी। वहीं नित्य पूजन प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक होगी। कथा श्रवण भागवताचार्य पंडित मुरारी लाल त्रिपाठी कटघोरा वाले कराएंगे वहीं यज्ञाचार्य पंडित चंद्रहास त्रिपाठी राजपुरोहित कटघोरा वाले के द्वारा किया जाएगा। आयोजक यजमान भुवन-हीराबाई यादव, चंद्रकुमार देविका यादव एवं गंगाधर सुनीता यादव ने गांव क्षेत्र के सभी भागवत प्रेमीयों को कथा श्रवण करने और भोग भंडारा ग्रहण करने आग्रह किया है।

गोपाल यादव बने जिला कांग्रेस महामंत्री

हरदीबाजार। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देश एवं जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में गोपाल यादव को मिली नई जिम्मेदारी बनाया गया। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के महामंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गोपाल यादव को

महामंत्री बनाए जाने से संगठन को मजबूती मिलेगी। पूर्व में अनेक पदों की जिम्मेदारी श्री यादव द्वारा बखूबी निभाई गई। इस नियुक्ति से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में हर्ष है। साथ उनमें ऊर्जा का संचार होगा। उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा एवं पार्टी की रीति नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

ओगरे बने जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण के महामंत्री

कोरबा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण की नई कार्यकारिणी को मंजूरी मिलने के साथ ही प्रवीण ओगरे को जिला महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन रायपुर से प्रभारी महामंत्री (संगठन व प्रशासन) मलकीत सिंह गैदू द्वारा जारी पत्र में जिला अध्यक्ष मनोज चौहान की प्रस्तावित कार्यकारिणी को अनुमोदन दिया गया है। जैसे ही प्रवीण ओगरे के महामंत्री बनने की खबर सामने आई, रामपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवाओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रवीण ओगरे अपनी सक्रियता, मिलनसार स्वभाव और युवा नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं।

संयंत्र परिसर में निकला कोबरा रेस्क्यू कर छोड़ा गया जंगल में

कोरबा। डीएसपीएम प्लांट क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब वहां काम कर रहे लोगों को अचानक एक जहरीला कोबरा सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही आसपास मौजूद लोग घबरा गए, लेकिन समझदारी दिखाते हुए किसी भी तरह की छेड़छाड़ करने के बजाय लोगों ने तुरंत स्नेक कैचर टीम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही आरसीआरएस के अध्यक्ष अविनाश यादव अपनी टीम के सदस्य महेश्वर के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने कोबरा का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के दौरान आसपास मौजूद लोग सुरक्षित दूरी बनाकर खड़े रहे। जिसके बाद वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू के बाद कोबरा को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया गया, ताकि वह अपने वातावरण में वापस जा सके।

शिवशक्ति समूह की लक्ष्मी बनी महिलाओं के संघर्ष की शक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

महिला दिवस विशेष

साइकिल में फेरी लगाकर बेचती है हाथ से बने थैले

खास बात

- जब नहीं मिला आर्थिक आय का सहारा तो खुद शुरू किया अपना व्यवसाय

आज के डिजिटल मार्केटिंग के दौर में सायकल से फेरे लगाकर समान बेचने के व्यवसाय को लोग गुजरे जमाने की बात कहते है। जब लोगों को बड़ी बड़ी कंपनियां उनको एक फोन कॉल में घर बैठे समान पहुंचा रही है ऐसे में कोई अकेली महिला हाथ से बने सामान को शहर की गलियों से लेकर गांव की पगडंडियों में पहुंचकर बेचने का काम करे तो निश्चित ही डिजिटल मार्केटिंग के दौर में एक साहसिक कदम होगा और इस काम को चरितार्थ किया है श्रमिक बस्ती परसाभांठा की लक्ष्मी महंत ने।

बालको नगर के श्रमिक बाहुल्य बस्ती परसाभांठा निवासी लक्ष्मी महंत ने अपने बच्चों के परवरिश के प्रति चिंतित रहा करती थी। पति और परिवार से किसी तरह का सहयोग नहीं मिलने के कारण लक्ष्मी ने कुछ करने की ठानी जिसके कुछ लोगों से आर्थिक सहायता लेकर थैला बनाकर बेचने का व्यवसाय करने का फैसला लिया। कम क़ीमत में शुरू होने वाला बिजनेस था इसलिए लक्ष्मी ने इसमें कदम बढ़ाते हुए इस व्यवसाय को चुना और फिर शुरू किया मार्केट से कपड़ा खरीदकर थैला बनाकर बेचने का व्यवसाय। व्यवसाय शुरू करने के दौरान तैयार किए गए थैले को मार्केट में बेचने के लिए मार्केटिंग करना सबसे बडी चुनौती थी और इस चुनौती को लक्ष्मी महंत ने स्वीकार किया और जुड़ गई। तैयार किए गए थैले को मार्केट में बेचने के लिए सायकल से प्रतिदिन लक्ष्मी बालको नगर के साथ कोरबा शहर के वार्ड की गलियों में घूम घूम कर थैले बेचने के लिए संघर्ष भरा काम किया। शुरूआत में लक्ष्मी महंत के इस कार्य को देखकर क्षेत्र के महिलाएं सहयोग नहीं किया करती थी लेकिन लक्ष्मी ने उन्हें धन की लक्ष्मी नहीं बल्कि संघर्ष की लक्ष्मी बनने का संदेश देकर अपने मार्केटिंग के व्यवसाय को शहर की चमचमाती सड़को से लेकर गांव की पगडंडियों तक पहुंचा दिया। आज लोग इसे बैग वाली लक्ष्मी के नाम से जानते हैं। प्रतिदिन अपने घर से इस मार्केटिंग करने के लिए सुबह घर से निकलकर शाम सूरज ढलने पर अपने घर पहुंचती थी। प्रतिदिन 500 से 600 रूपए कमाने वाली लक्ष्मी आज अपने झोपड़ेनुमा मकान को एसबेस्टस शीट वाले मकान में बदल दी है। लक्ष्मी का मानना है की आज डिजिटल मार्केटिंग के दौर में उनके इस काम को किसी ने स्वीकार नहीं किया किन्तु आज वह प्रतिमाह 15 हजार रूपये की आय अर्जित कर रहीं है जो आज एमेजन और फ्लिपकार्ट के गीगवर्कर के रूप में अपनी आय अर्जित कर रही है। लक्ष्मी ने अपने इस काम से महिलाओं को यह संदेश दिया है कि महिलाओं की पहचान केवल धन की लक्ष्मी के रूप में नहीं है बल्कि संघर्ष की लक्ष्मी के रूप में भी है।

गंदे पानी में सब्जी धोने को मजबूर हो रहे हैं पटेल समाज के लोग

अहिरन नदी में जा रहा है नगर का गंदा पानी, फैल रही बदबू से आम लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

अहिरन नदी में प्रवाहित होता दूषित जल।

खास बात

- सफाई व्यवस्था के प्रति स्थानीय प्रशासन बना हुआ है बेखबर

नगर के बीच से होकर गुजरने वाली अहिरन नदी इन दिनों गंभीर प्रदूषण की चपेट में आ गई है। नगर का गंदा पानी लगातार नालों के माध्यम से सीधे नदी में गिराया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर नदी के पानी के बहाव को रोक दिए जाने के कारण गंदा पानी एक ही स्थान पर जमा हो गया है, जिससे नदी का स्वरूप अब गंदे तालाब जैसा दिखाई देने लगा है। इस वजह से आसपास का पूरा वातावरण दूषित होता जा रहा है और लोगों का जीना दूभर हो गया है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार लंबे समय से नगर का गंदा पानी बिना किसी शोधन के सीधे नदी में छोड़ा जा रहा है। पहले नदी का बहाव बना रहने के कारण पानी आगे निकल जाता था, लेकिन अब पानी रुक जाने से गंदगी लगातार जमा होती जा रही है। नदी में कचरा, गंदगी और सड़ांध के कारण तेज बदबू फैल रही है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ जाता है, जिससे बीमारियों का खतरा लगातार बना हुआ है। सबसे ज्यादा परेशानी सब्जी विक्रेताओं और आसपास के किसानों को उठानी पड़ रही है। मजबूरी में कई पटेल परिवार इसी गंदे पानी में सब्जियों को धोने के लिए विवश हैं। उनका कहना है कि साफ पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें यही गंदा पानी उपयोग करना पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल उनकी मजबूरी को दर्शाती है बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है, क्योंकि वही सब्जियां बाजार में बिककर लोगों के घरों तक पहुंचती हैं। नगरवासियों का कहना है कि कई बार इस समस्या की शिकायत कई बार सम्बंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। यदि समय रहते नालों के गंदे पानी को नदी में गिरने से नहीं रोका गया और नदी के रुके हुए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले समय में यह समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान किया जाए। नदी की सफाई कराई जाए, नालों के गंदे पानी को रोकने के लिए उचित व्यवस्था बनाई जाए और नदी के प्राकृतिक बहाव को पुनः शुरू कराया जाए, ताकि नगर का वातावरण स्वच्छ रह सके। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या को लेकर कितनी जल्दी सक्रिय होते हैं और नगरवासियों को इस बदहाल स्थिति से कब तक राहत मिल पाती है।

छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी ने हासिल किया देश में तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बात

- सीईए की रिपोर्ट में सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा पीएलएफ

छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने राज्य विद्युत उपक्रमों के अंतर्गत आने वाले बिजलीघरों की समीक्षा के अनुसार छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी का कामकाज देश में तीसरे नंबर पर रहा है।

छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के बिजली घरों विद्युत संयंत्र ने 87.11 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएएफ) के सर्वोच्च स्तर को स्पर्श किया है। 1840.67 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का कीर्तिमान रचा गया है। छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के अध्यक्ष डॉ.रोहित यादव और प्रबंध निदेशक एसके कटियार ने इस उपलब्धि को शानदार टीम वर्क का परिणाम बताया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण राज्य क्षेत्र की 33 संस्थाओं के कामकाज का मूल्यांकन करती है। इसमें राज्य विद्युत मंडल और राज्य पॉवर कंपनियां शामिल होती है। सीईए की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ ने पंजाब, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों को पीछा छोड़ा है। वहीं ओडिशा और पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ से आगे है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार विगत 15 वर्षों में एक बार ही इससे अधिक पीएलएफ अर्जित किया गया था। बताया गया है कि पूर्व के वर्षों में भी एक ही बार 87.11 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ अर्जित किया गया था। इस तरह छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के इतिहास में दिसंबर में सर्वाधिक पीएलएफ अर्जित करने का यह दूसरा मौका है। यह उपलब्धि यह साबित करती है कि इस माह में विद्युत संयंत्र के संचालन में नगण्य व्यवधान उपस्थित हुआ। निर्धारित समय पर उचित रखरखाव प्रक्रिया का पालन करने से ऐसी उपलब्धियां दर्ज की जाती है

सेंट्रल वर्कशॉप में 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सेण्ट्रल वर्कशॉप, एसईसीएल में 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एवं सुरक्षा सप्ताह का उद्घाटन समारोह मनाया गया। नेशनल सेफ्टी काउंसिल ऑफ इण्डिया के तत्वाधान में देश में औद्योगिक राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एवं सुरक्षा सप्ताह 4 से 10 मार्च तक मनाया जाता है। सेण्ट्रल वर्कशॉप, एसईसीएल कोरबा के प्रांगण में वरिष्ठ कर्मचारी श्रीमती रामेश्वरी बाई के द्वारा सुरक्षा ध्वज का आरोहण किया गया। इस अवसर पर सेण्ट्रल वर्कशॉप, एसईसीएल के महाप्रबंधक गिरेंद्र कुमार द्विवेदी, कार्य प्रबंधक आरके गुप्ता एवं विभिन्न विभागों के प्रमुखों की उपस्थिति रही। महाप्रबंधक गिरेंद्र कुमार द्विवेदी के द्वारा सुरक्षा शपथ दिलाई गई। महाप्रबंधक ने अपने उद्बोधन में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्यों. सुरक्षा समिति के सदस्यों, एससी एसटी, ओबीसी काउंसिल के सदस्यों तथा महिलाओं को सुरक्षा दिवस एवं सुरक्षा सप्ताह की बधाई दी तथा सुरक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ कर्मियों को अपने अधीन कर्मियों को मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया।

दीपका खदान ने कायम किया कोयला उत्पादन का नया रिकार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बातें

- एक ही दिन में सर्वाधिक 35 .7 मिलियन टन किया कोयला उत्पादन
- खदान से ओवरबर्डन निष्पादन में 39 .84 एमक्यूबीक मीटर का आंकडा किया पार

एसईसीएल दीपका खदान में उत्पादन में एक नया रिकार्ड बनाया है। दीपका खदान से एक ही दिन में 35.7 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया गया है। इसके पूर्व वित्तीय वर्ष 2018-19 में दीपका ने सर्वाधिक 34.99 मिलियन टन के उत्पादन को छुआ था। इस आंकड़े को पार करने में प्रबंधन को 5 साल लग गए।

उल्लेखनीय है कि एसईसीएल के मेगा प्रोजेक्ट दीपका खदान ने 35.7 मिलियन टन कोयला उत्पादन कर एक नया रिकार्ड दर्ज किया है। एसईसीएल कोल इंडिया लिमिटेड की दूसरी बड़ी उत्पादक कंपनी है। तीन मेगा प्रोजेक्ट्स गेवरा, कुसमुंडा और दीपका की एसईसीएल के आधे से ज्यादा उत्पादन में हिस्सेदारी होती है। दीपका खदान ने 28 फरवरी को 35.7 मिलियन टन के आंकड़े पर पहुंचते ही कोयला उत्पादन का एक नया रिकार्ड कायम किया। इसके पूर्व वित्तीय वर्ष 2018- 19 में दीपका ने सर्वाधिक 34.99 मिलियन टन के उत्पादन को छुआ था। इस आंकड़े को पार करने में पांच साल लग गए। 31 मार्च तक जब अंतिम आंकड़े आएंगे तक 35.7 मिलियन टन से कहीं अधिक उत्पादन दर्ज हो चुका होगा। दीपका के समक्ष चालू वित्तीय वर्ष में 40 मिलियन टन का उत्पादन लक्ष्य है। दूसरी ओर दीपका खदान ने ओवरबर्डन निष्पादन में 39.84 एमक्यूबीक मीटर का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया है। इसी तरह गुणवत्ता में भी 80 प्रतिशत ग्रेड कन्फर्मेशन का छुआ है, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

राखड़ डेम की रेजिंग कार्य में तकनीकी मानको का हो रहा उल्लघंन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बात

- कोरबा पश्चिम संयंत्र के झाबू राखड़ बांध का मामला

छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के झाबू स्थित राखड बांध का तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद कंपनी प्रबंधन द्वारा राखड़ बांध के तटबंध का मरम्मत और ऊंचाई बढ़ाने का काम शुरु कर दिया गया है। राखड़ बांध के रेजिंग का काम शंकर इंजीनियरिंग को दिया गया है। सूत्रों की मानें तो फिलिंग के लिए जेसीबी से सीधे राख डाली जा रही है और परत दर परत मजबूती देने वाली प्रक्रिया पर उतना ध्यान नहीं दिख रहा, जितना तकनीकी मानकों में जरूरी बताया जाता है।

तकनीकी गाइडलाइन के मुताबिक बांध की ऊंचाई बढ़ाने से पहले बेस की स्ट्रिपिंग की जाती है। फिर वाइब्रेटर से कॉम्पैक्शन किया जाता है, ताकि नीचे की परत मजबूत हो। इसके बाद लगभग 300 मिमी यानी 0.30 मीटर की राख की लेयर डाली जाती है और उसे ठीक से दबाकर समतल किया जाता है। सिर्फ राख भर देना पर्याप्त नहीं होता। बीच में करीब आधा मीटर मोटी रेत की परत डाली जाती है, ताकि पानी का निकास बना रहे और अंदर दबाव न बढ़े। हर लेयर के बाद कॉम्पैक्शन अनिवार्य माना जाता है, ताकि भविष्य में धंसाव या रिसाव की समस्या न आए। कागजों पर यह प्रक्रिया संतुलित और वैज्ञानिक दिखती है। लेकिन सवाल यही है कि क्या मैदान में भी वही सटीकता बरती जा रही है? स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले वर्षों में भी बांध की मजबूती पर सवाल उठते रहे हैं। हर बरसात के बाद दरार, रिसाव या टूटने की खबर सामने आती है। ऐसे में इस बार की रेजिंग को लेकर उम्मीद भी है और आशंका भी। कुछ लोग इसे इंजीनियरों की सूझबूझ बता रहे हैं, तो कुछ इसे जल्दबाजी और खर्च बचाने की कोशिश मान रहे हैं। तकनीक बनाम जुगाड़ की यह लड़ाई कागजों पर नहीं, मैदान में तय होगी। असली परीक्षा बारिश में होगी, जब पानी दबाव बनाएगा और बांध अपनी मजबूती का सच बताएगा।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

हरिभूमि

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

बैगलेस डे पर बच्चों ने किया फन डांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ चैतमा

पाली विकासखंड अंतर्गत संकुल पटपरा अंतर्गत प्राथमिक शाला ठाड़पखना में शनिवार को बैगलेस डे के अवसर पर बच्चों के लिए रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान पाठक संतोष पटेल की उपस्थिति में सहायक शिक्षक लक्ष्मी तिवारी और शिक्षिका अनामिका महंत ने बच्चों को खेल-खेल में सीखने की गतिविधियां कराईं।

इस दौरान बच्चों को संगीत की धुन पर मजेदार चिकन डांस कराया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। खेल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को आनंद के साथ सीखने का अवसर मिला। साथ ही बच्चों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली भी खेला। विद्यालय में हर शनिवार को बैगलेस डे के तहत बच्चों के लिए अलग-अलग रोचक खेल गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को ज्ञानवर्धक खेलों की जानकारी देने के साथ उनके मानसिक और शारीरिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. एल.सी. मदरिया
MBBS,MS
नेत्र रोग विशेषज्ञ
एवं फेको सर्जन

डॉ. एश्वर्य मदरिया
MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad
नेत्र रोग विशेषज्ञ
एवं रेटिना विशेषज्ञ

● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन : 07752-402070, 228277,
मो. : 9826190123, 9669979123

स्वामी जी 9340638884

7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
भेंट द्वारिका, द्वारिकाधीश, सोमनाथ,
नागेश्वर, ओम कालेश्वर, महाकालेश्वर,
भीमाशंकर, घृष्णेश्वर, ममलेश्वर, रुख्मणी मंदिर,
त्रयम्बकेश्वर, गोपी तालाब, सिरडी,
शनि सिरनापुर, नासिक, पंचवटी, हनुमान जन्म स्थान

यात्रा दिनांक
28 मार्च, 2026
04 अप्रैल, 2026
04 जून, 2026
14 जून, 2026
29 जुलाई, 2026
11 दिन की यात्रा

राशि स्लीपर ~~₹ 21,500/-~~ ऑफर ₹ 18,500/-3AC ~~₹ 32,500/-~~ ऑफर ₹ 29,500/-

स्वामी तीर्थ यात्रा
संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दरों पर तीर्थ यात्रा
9111111866
Head Office: ग्राउण्ड फ्लोर सिटी सेंटर मॉल पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)

online Booking:-www.tripuryatra.com

20 वर्षो से
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
चांपा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
स्पेशल ट्रेन से - 12 मार्च से 22 मार्च 2026 (11 दिन)
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी,
श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी,
श्री कन्याकुमारी
राशि :- स्लीपर 14,900/-, 3 एसी-23,900/-, 2 एसी 28,900/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354 411411